शहद मिशन और मीठी क्रांति

प्रिलिम्स के लिये:

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन, मधुमक्खी पालन, मीठी क्रांति

मेन्स के लिये:

किसानों की आय दोगुनी करना, मीठी क्रांति, मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देना

चर्चा में क्यों?

शहद मिशन के तहत **खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (KVIC)** द्वारा **देश भर में 17,500 लाभार्थियों को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण** देने के बाद से अब तक **1,75000 मधुमक्खी पेटियों का वितरण** किया जा चुका है।

- राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB) के अनुसार, **उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, बिहार, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और कर्नाटक** 2021-22 में **शीर्ष दस शहद उत्पादक राज्य** थे।

शहद मिशन:

- इसे वर्ष 2017 में 'मीठी क्रांति' के अनुरूप लॉन्च किया गया था।
- मिशन के अंतर्गत **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत KVIC किसानों या मधुमक्खी पालकों को प्रदान करता है:**
  - मधुमक्खी कालोनियों की निगरानी के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण।
  - सभी मौसमों में मधुमक्खी कालोनियों के प्रबंधन के साथ-साथ मधुमक्खी के शत्रुओं और रोगों की पहचान और प्रबंधन।
  - मधुमक्खी पालन उपकरण से परिचित कराना।
  - शहद निष्कर्षण एवं मोम शोधन।

मीठी क्रांति

- **परिचय:**
  - यह **मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिये** भारत सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी पहल है, जिसे **'मधुमक्खी पालन' के नाम से जाना जाता है।**
    - मीठी क्रांति बूस्टर शॉट प्रदान करने के लिये सरकार ने 2020 में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन **कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय** के तहत एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना) को आत्मनिर्भर भारत योजना के हिस्से के रूप में लॉन्च किया।
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य **गुणवत्तापूर्ण शहद और अन्य संबंधित उत्पादों के उत्पादन में तेज़ी लाना** है।
    - अच्छी गुणवत्ता वाले शहद की मांग पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी है क्योंकि इसे प्राकृतिक रूप से पौष्टिक उत्पाद माना जाता है।
    - अन्य मधुमक्खी पालन उत्पादों जैसे- **रॉयल जेली, मोम, पराग, आदि का भी विभिन्न क्षेत्रों जैसे- फार्मास्यूटिकल्स, भोजन, पेय, सौंदर्य** और अन्य में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।
- **महत्त्व:**
  - इस मिशन के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप **मधुमक्खी संरक्षण सुनिश्चित करेगा, बीमारियों को रोकेगा या मधुमक्खी कालोनियों के नुकसान को रोकेगा** तथा मधुमक्खी पालन उत्पादों की गुणवत्ता के साथ अधिक मात्रा प्रदान करेगा।
    - खेती के तरीकों से **घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार के लिये बेहतर गुणवत्ता वाला शहद व अन्य उत्पाद प्राप्त होंगे।**
  - मधुमक्खी पालन एक **कम निवेश और अत्यधिक कुशल उद्यम मॉडल है**, जो प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये एक बड़े कारक के रूप में उभरा है।
    - **मधुमक्खी पालन को बढ़ाने से किसानों की आय दोगुनी होगी, रोज़गार पैदा होगा, खाद्य सुरक्षा और मधुमक्खी संरक्षण**

सुनिश्चित होगा तथा फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग:

- खादी और ग्रामोद्योग आयोग **'खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम,1956' के तहत एक सांविधिक निकाय (Statutory Body) है।**
- इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ भी आवश्यक हो अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर खादी एवं ग्रामोद्योगों की स्थापना तथा विकास के लिये **योजनाएँ बनाना, उनका प्रचार-प्रसार करना तथा सुविधाएँ एवं सहायता प्रदान करना है।**
- **यह भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (Ministry of MSME) के अंतर्गत आने वाली एक मुख्य संस्था है।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. बागवानी फार्मों के उत्पादन, उत्पादकता और आय को बढ़ाने में राष्ट्रीय बागवानी मिशन (National Horticulture Mission- NHM) की भूमिका का आकलन कीजिये। किसानों की आय बढ़ाने में यह कहाँ तक सफल हुआ है? (मुख्य परीक्षा, 2018)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/honey-mission-and-sweet-revolution